

## में तो अमर चुनड़ी ओढूँ

मीरा जनमी मेड़ते, वा परणाई चित्तोड़,  
राम भजन प्रताप सूं सकल श्रृष्टि शिर मोड़,  
जगत में सारा जाणी आगे भई अनेक,  
कई बायां कई राणी,  
जिनकी रीत सगराम कहे है बैकुण्ठा ठौड़,

धरती माता नो वालो पैहरू घाघरो,  
में तो अमर, चुनड़ी ओढूँ,  
में तो संतो रे भेली रहवू,  
में तो बाबो रे भेली रहवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी।

चाँद सूरज मारे आंगणे लगाऊ,  
में तो झरणा रो झांझर पहरु,  
में तो संतो रे भेली रेवु ,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी।

ज्ञानी ध्यानी रे, बगल में राखूं,  
हनुमान वालो, कांकण पहरूं,  
में तो संतो रे भेली रेवु ,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी।  
नवलख तारा, म्हारे आंगणे लगाऊँ,  
में तो चरना रो ,जाँजर पहरूं,  
में तो संतो रे भेली रेवु ,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी।

पारस ने सरहद कर राखूं,  
में तो डूंगर डोडी में खेलूं,  
में तो संतो रे भेली रहवू,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी।

नवकाले नाग म्हारे चोटले बंधाऊ,  
जद म्हारो माथो गुथाऊँ,  
में तो संतो रे भेली रेवु ,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी

दोई कर जोड़ मीरा बाई बोले,

में तो गुण गोविन्द रा गाउँ,  
में तो संतो रे भेली रेवु ,  
में तो बाबो रे भेली रेवू,  
में आदि पुरुष री चेली जी

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21567/title/main-to-amar-chunadi-odhu>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |